font>

Title: Need to constitute a High Level Committee to look into the working of Shatabdi Project of Bharat Coking Coal Ltd.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : उपाध्यक्ष महोदय, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में दो सौ करोड़ रुपये की लागत से शताब्दी परियोजना आग की चपेट में है। इससे प्रति माह करोड़ों रुपये का घाटा हो रहा है। आग का विस्तार लगभग 181.30 हेक्टेयर भूमि में हो गया है। बंद पड़ी खदानों से आग की लपटें दस फीट ऊंचाई तक उठ रही हैं। आग की लपटों के साथ कार्बन मोनोक्साइड नामक जहरीली गैस का रिसाव हो रहा है। इससे मजदूर असुरक्षित रहकर कार्य कर रहे हैं, सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। दर्जनों मजदूर जहरीली गैस से बीमार पड़ रहे हैं।

यहां प्रतिदिन कोयला उत्पादन का लक्ष्य 4000 टन है जबकि उत्पादन 2 हजार टन हो रहा है। इसी प्रकार करगली कोल वाशरी कोयला उत्खनन, उत्पादन एवं गुण वत्ता से प्रभावित है। इससे प्रति माह 4-5 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है। इस वाशरी का बंकर क्षतिग्रस्त है जिसके अनुरक्षण में करीब 12 लाख रुपये का खर्च है। परन्तु प्रबंधन द्वारा मरम्मत का कार्य नहीं किया जा रहा है। इस बाबत हमने प्रबंधन का ध्यान आकृट कराया है। इसी प्रकार कई विसंगतियां करगली कोल वाशरी में व्याप्त है।

अतः सरकार से आग्रह है कि उपर्युक्त तथ्यों की सच्चाई पता लगाने एवं प्रबंधन द्वारा तथ्यपरक जवाब न देने के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने की अपेक्षा है और कोल उद्योग को बचाने के लिए कोयले के उत्पादन बढ़ाने और आग की घटना रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाया जाए।